

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग-8

सं० 66/2011/23(120)/XXVII(8)/2010

दिनांक: देहरादून :: 10 जनवरी, 2011

अधिसूचना

चूंकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, राज्यपाल, उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 27 वर्ष 2005) की धारा 4 की उपधारा (6) संपटित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं० 1 वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 की अनुसूची-1 में कतिपय शर्तों के साथ निम्नलिखित संशोधन करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

संशोधन

अनुसूची-1 में क्रमांक 73 की वर्तमान प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि बढ़ा दी जायेगी; अर्थात्-

"74. जलौनी लकड़ी, शवदाह गृहों के प्रयोगार्थ।"

शर्त

शवदाह गृहों को संचालित करने वाली संस्था अपने क्षेत्राधिकार के वाणिज्य कर अधिकारी के समक्ष जलौनी लकड़ी की वार्षिक आवश्यकता का आवेदन करेगी और सम्बन्धित वाणिज्य कर अधिकारी इस आवेदन का परीक्षण कर प्रतिवर्ष उपयोग होने वाली जलौनी लकड़ी की मात्रा को बिना मूल्य वर्धित कर दिये हुए उत्तरांचल वन विकास निगम से खरीदने के लिये वांछित प्रमाण पत्र निर्गत करेंगे। वाणिज्य कर विभाग के ज्वाइंट कमिशनर(कार्यपालक) समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि इस सुविधा का दुरुपयोग न होने पाये।

(आलोक कुमार जैन)

प्रमुख सचिव, वित्त।

सं० 66/2011/23(120)/XXVII(8)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, देहरादून को इस आशय से कि कृपया अपने स्तर से सम्बन्धित अधिकारियों, कर अधिवक्ताओं व करदाताओं को अधिसूचना से अवगत कराने का कष्ट करें।
- 2-प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल वन विकास निगम, अरण्य विकास भवन, 73-नेहरु रोड, देहरादून।
- 3-निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री उत्तराखण्ड, रुड़की को अधिसूचना की हिन्दी/अंग्रेजी प्रतियाँ इस अनुरोध सहित कि इसे असाधारण गजट में प्रकाशित करते हुये 250-250 प्रतियाँ वित्त अनुभाग 8 में अविलम्ब उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 4-गार्ड फाईल हेतु/ एन०आई०सी०।

आज्ञा से

(सी०एस० समवाल)

अपर सचिव, वित्त।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification NO. 66 /2011 /23(120)/XXVII(8)/2010 dated 01 January, 2011 for general information.

Uttarakhand Shasan

VITTA VIBHAG-8

NO. 66 /2011 /23(120)/XXVII(8)/2010

Dehradun :: Dated: : 01 January, 2011

Notification

WHEREAS, the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 4 of The Uttarakhand Value Added Tax Act, 2005 (Act no. 27 of 2005) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (U.P. Act No. 1 of 1904) (as applicable in the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to allow to make, with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette, the following amendment, subject to following conditions in Schedule-I of the Uttarakhand Value Added Tax Act, 2005.

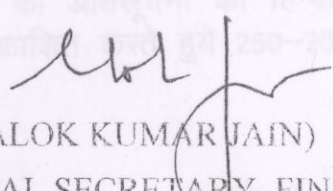
Amendment

In Schedule- I, after the existing entry at serial no. 73, the following entry shall be added; namely-

“74. Fire wood, for use in cremation grounds.”

Condition

The institutions operating cremation grounds shall apply to the Commercial Tax Officer of their area regarding annual requirement of fire wood and the respective Commercial Tax Officer after examining the said application shall issue desired certificate to purchase such fire wood without payment of VAT from the Uttaranchal Van Vikas Nigam. The Joint Commissioner (Executive) of Commercial Tax Department shall inspect it from time to time to ensure that this facility is not misused.


(ALOK KUMAR JAIN)

PRINCIPAL SECRETARY, FINANCE.

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग-8

सं० 67/2011/23(120)/XXVII(8)/2010

दिनांक:: देहरादून :: ७ जनवरी, 201

अधिसूचना

चूंकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, राज्यपाल, उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005(अधिनियम संख्या 27 वर्ष 2005) की धारा 4 की उपधारा (4) सपटित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं० 1 वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 की अनुसूची-II(ख) में निम्नलिखित संशोधन करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

संशोधन

अनुसूची-II(ख) में क्रमांक 49 की वर्तमान प्रविष्टि(जलौनी लकड़ी) के अन्त में शब्द "अधिनियम के अन्तर्गत अन्यत्र अधिसूचित से भिन्न" जोड़ दिये जायेंगे।

(आलोक कुमार जैन)
प्रमुख सचिव, वित्त।

सं० 67/2011/23(120)/XXVII(8)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- 1—आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, देहरादून को इस आशय से कि कृपया अपने स्तर से सम्बन्धित अधिकारियों, कर अधिवक्ताओं व करदाताओं को अधिसूचना से अवगत कराने का कष्ट करें।
- 2—निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री उत्तराखण्ड, रुड़की को अधिसूचना की हिन्दी/अंग्रेजी प्रतियाँ इस अनुरोध सहित कि इसे असाधारण गजट में प्रकाशित करते हुये 250-250 प्रतियाँ वित्त अनुभाग 8 में अविलम्ब उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 3—गार्ड फाईल हेतु/ एन०आई०सी०।

आज्ञा से,
C. Hemm
(सी०एस० सेमवाल)
अपर सचिव, वित्त।